प्राथमिक अंग्रेज़ी

साझा पठन

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

संदेश

शिक्षकों को बाल केंन्द्रित कक्षा अभ्यास की ओर उन्मुख करने तथा शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को सम्मुख रखते हुए TESS-India राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। इस दिशा में TESS-India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) का विकास किया गया है । ये संसाधन शिक्षकों तथा शिक्षक–प्रशिक्षकों के वृत्ति विकास (Professional development) में लाभकारी एवं उपयोगी सिद्ध होंगे। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के नेतृत्व में इन संसाधनों का स्थानीयकृत किया गया है, जिसके अन्तर्गत इनके उद्देश्य के मूल को बरकरार रखते हुए इनमें स्थानीय, भाषा, बोली, प्रथाओं, संस्कृतियों तथा नियमों को सम्मिलित किया गया है। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता एवं सुगमता पूर्वक किया जा सकता है ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के मार्गदर्शन में TESS-India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) नेट पर आप सभी के लिए सुलभ उपलब्ध है ।

शुभकामनाओं सहित ।

(डॉ0 मुरली मनोहर सिंह)
निदेशक
एस0सी0ई0आर0टी0, बिहार

समीक्षा एवं दिशाबोध
डॉ. मुरली मनोहर सिंह, निदेशक राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. सैयद अब्दुल मोईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. क़ासिम खुर्शीद, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
डॉ. इम्तियाज़ आलम, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. स्नेहाशीष दास राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. अर्चना, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. रीता राय, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
श्री तेज नारायण प्रसाद, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

स्थानीयकरण
भाषा और शिक्षा
डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एडुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर, वैशाली
श्री सुमन सिंह, प्रखंड साधनसेवी, भगवानपुर हाट, सिवान
श्री कात्यायान कुमार त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय चैलीटाल, पटना
श्री कृत प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, हिलसा, नालंदा
प्राथमिक अंग्रेज़ी
श्री अरशद रज़ा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, पचासा रहुई, नालंदा
श्री संतोष सुमन, सहायक शिक्षक, बालिका उच्च विद्यालय, महुआबाग
श्री शशि भूषण पाण्डेय, सहायक शिक्षक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मुकुन्दपुर, नालंदा
श्रीमती रचना त्रिवेदी, शिक्षिका, नोट्रेडेम अकादमी, पटना
माध्यमिक अंग्रेज़ी
श्री मणिशंकर, प्रधानाध्यापक, तारामणी भगवानसाव उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोइलवर, भोजपुर
डॉ. ब्रजेश कुमार, शिक्षक, पी. एन. एंग्लो संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, नया टोला, पटना
प्राथमिक गणित
श्री कृष्ण कान्त ठाकुर
श्री दिलीप कुमार, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, बुलनी हैदरपुर, नालंदा
श्री गोविन्द प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, चनपटिया, पश्चिमी चम्पारण
माध्यमिक गणित
डॉ. राकेश कुमार, भागलपुर डायट
श्री रिज़वान रिज़वी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सिलौटा चाँद, कैमूर
श्री इन्द्रभूषण कुमार, शिक्षक, सहयोगी माध्यमिक विद्यालय, हाजीपुर, वैशाली
प्राथमिक विज्ञान
श्री मनोज त्रिपाठी, प्रखंड साधनसेवी, बरहारा, भोजपुर
श्री शशिकान्त शर्मा, प्रखंड साधनसेवी, आरा, भोजपुर
श्री रणबीर सिंह, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, आदर्श आवासीय मध्य विद्यालय शिक्षक संघ, सहरसा
माध्यमिक विज्ञान
श्री जी.वी.एस.आर प्रसाद
श्री मुकुल कुमार, शिक्षक, सहायक शिक्षक, गोरखनाथ सूर्यदेव माध्यमिक विद्यालय, राजापाकर वैशाली

TESS-India (Teacher Education Through School Based Support) का लक्ष्य है भारत में मुक्त शैक्षिक संसाधनों के द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर शिक्षकों के कक्षा अभ्यासों को बेहतर करना। ये संसाधन शिक्षकों के छात्र–केन्द्रित, भागीदारी दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायता करेंगे।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Education Resources – OERs) शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। ये संसाधन शिक्षकों के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं जो वे कक्षा में अपने छात्रों के साथ कर सकते हैं। साथ ही इनमें केस स्टडी भी हैं जो ये दर्शाते हैं कि किस प्रकार दूसरे शिक्षकों ने उस विषय को सिखाया है। संबंधित संसाधन शिक्षकों को पाठ योजना बनाने में और विषय पर ज्ञान वर्धन करने में उनकी सहायता करते हैं।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल हैं। ये भारतीय तथा अतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये हैं *और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (http://www.tess-india.edu.in)* । मुक्त शैक्षिक संसाधन अनेकों संस्करणों में उपलब्ध हैं जो प्रत्येक राज्य के लिए उपयुक्त है जहाँ TESS India कार्यरत है। उपयोगकर्ता इन संसाधनों को अनुकूल और स्थानीयकृत करने के लिए स्वतंत्र हैं ताकि ये स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को पूरा कर सकें।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है: *. इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।*

TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है।

TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट, http://www.tess-india.edu.in/ से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 *EE06v2*
Bihar

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है:
http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

यह इकाई साझा पठन नामक पढ़ने के अध्यापन के लिए एक मुख्य कार्यक्रम की पेशकश करती है। इस इकाई में पठन के बाद की साक्षरता गतिविधियों की भी जाँच की जाती है।

साझा पठन में आप ऐसी किसी बड़ी पुस्तक या टेक्स्ट से संपूर्ण कक्षा या छात्र–छात्राओं के समूह को ऊंचे स्वर में पढ़कर सुनाते हैं जिसे हर कोई देख सके। साझा पठन में मौखिक भाषा और लेखन पर संकेंद्रन समाहित होता है। जब आप छात्र–छात्राओं को ऊँचे स्वर में, उत्साहपूर्वक और अभिव्यक्ति के साथ, पढ़कर सुनाते हैं, तब आप प्रदर्शित करते हैं कि धाराप्रवाह पठन सुनने में कैसा लगता है। आप छात्र–छात्राओं के ध्यान को लिखित पाठ और उसे पढ़ने की प्रक्रिया पर केंद्रित करते हैं। आप सभी छात्र–छात्राओं को मौखिक रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करके पठन के आनंद को मूर्तरूप भी देते हैं।

कक्षा के लिए ऊँचे स्वर में पढ़ने, और छात्र–छात्राओं के समूहों के साथ पढ़ने से, आपको स्वयं अपने भाषाई कौशलों को सुधारने में मदद मिलेगी। साझा पठन हिंदी और अन्य भाषाओं में पठन के अध्यापन के लिए भी प्रभावशाली होता है।

आप इस इकाई में सीख सकते हैं

- अंग्रेज़ी में साझा पठन का अभ्यास।
- अंग्रेज़ी साझा पठन के लिए एक बड़ी क़िताब तैयार करना।
- पठन के बाद की साक्षरता गतिविधियों की योजना।

1 साझा पठन का आरंभ करना

साझा पठन के लिए प्रयुक्त किसी कविता को देखते हुए शुरू करें।

गतिविधि 1: साझा पठन

साझा पठन का अर्थ यह है कि आप पाठ को पढ़ने में अपने छात्र–छात्राओं का नेतृत्व करते हैं और आप पठन के लिए सशक्त अनुकरणीय व्यक्ति हैं। छात्र–छात्राओं के लिए आपके साथ पाठ को देखना और समझना संभव होना चाहिए।

साझा पठन में, आप:

- अपने हाथ या छड़ी को संकेतक के रूप में उपयोग करते हुए सभी छात्र–छात्राओं को आपके पढ़ते समय पाठ को समझने के लिए प्रोत्साहित करते हैं
- छात्र–छात्राओं को पठन में शामिल होने, आपकी बात को दोहराने या मिलकर पढ़ने को कहते हैं
- यह दर्शाते हैं कि अभिव्यक्ति के साथ कैसे पढ़ा जाता है
- नए शब्दों को पढ़ने और उनका उच्चारण करने का प्रदर्शन करते हैं
- जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, अक्षरों, शब्दों और वाक्यों पर ध्यान देते हैं, लेकिन मूल अर्थ और आनंद को यथावत् रखते हैं।

चित्र 1 में कविता को देखें, जो कागज के एक बड़े टुकड़े पर लिखी गई है। इसे कक्षा II के छात्र–छात्राओं के लिए एक शिक्षक/शिक्षिका ने बनाया था। इसे ऊँचे स्वर में पढ़ें।

चित्र 1 साझा पठन की एक कविता।

ज़रा सोचिए

- शिक्षक/शिक्षिका और छात्र–छात्रा कविता के रिक्त स्थानों के साथ क्या कर सकते हैं?
- कविता में बच्चों के नामों को शामिल करने का क्या प्रभाव होगा?
- आपके विचार में शिक्षक/शिक्षिका ने 'I', 'to', 'school' और 'the' शब्दों को क्यों हाइलाइट किया है?
- क्या आपको लगता है इसे नन्हे छात्र–छात्राओं के साथ ऊँचे स्वर में पढ़ना मज़ेदार होगा?
- क्या आपको लगता है इस कविता का साझा पठन सभी छात्र–छात्राओं को, उनकी क्षमताएं चाहे कुछ भी हों, शामिल कर सकेगा?
- छात्र–छात्राओं को कविता को सजाने की अनुमति देने का क्या प्रभाव है?

आप किसी भी विषय, जैसे शरीर के भागों, संख्याओं, इतिहास या भूगोल के किसी विषय, या किसी गीत के शब्दों, पर साझा पठन पाठ तैयार कर सकते हैं। चित्र 2 में हाथों से बना उदाहरण देखें।

चित्र 2: इंद्रधनुषों के विषय का उपयोग करते हुए साझा पठन।

यदि आप सभी विषय पढ़ाने वाले शिक्षक/शिक्षिका हैं, तो साझा पठन विषय संबंधी ज्ञान और भाषाई कौशलों दोनों को विकसित और सुदृढ़ कर सकता है।

2 साझा पठन के लिए पाठ का चयन करना

केस स्टडी 1 में, शिक्षिका एक सरल कहानी से साझा पठन का आयोजन करती है।

केस स्टडी 1: सुश्री सिमरन साझा पठन का आयोजन करती हैं

सुश्री सिमरन बिहार में कक्षा /// की शिक्षिका हैं।

पहले मैंने एक बड़ी पुस्तक तैयार की, ताकि मेरे छात्र–छात्रा शब्दों और चित्रों को आसानी से देख सकें। कहानी थी 'A little red hen' और मैंने उन्हें यह कहानी पिछले सप्ताह पढ़कर सुनाई, ताकि छात्र–छात्रा कहानी से पहले से परिचित हों। (आप इस कहानी को संसाधन 1 में देख सकते हैं।)

	इस कहानी का अन्य सरल संस्करण SCERT, बिहार द्वारा विकसित Blossom part 4 के lesson - 13 पर देखें।

मैंने छात्र–छात्राओं को अपने इर्द-गिर्द समूह में इस तरह खड़ा किया, कि वे सभी पृष्ठों को देख सकें। मेरी कक्षा में मौसमी प्रवासी कामगारों के बच्चे हैं जो अक्सर अनुपस्थित रहते हैं। मैंने उन्हें समूह के सामने की ओर रखा ताकि सुनिश्चित हो कि वे सम्मिलित रहें और मैं उनकी भागीदारी पर नज़र रख सकूँ।

पढ़ने से पहले, मैंने समझाया कि हम सब मिलकर एक किताब पढ़ेंगे। मैंने उन्हें किताब का आवरण पृष्ठ दिखाया और याद दिलाया कि उन्होंने वह कहानी पहले से सुन रखी है। मैंने उनसे पूछा कि क्या उन्हें उसके बारे में कुछ याद आ रहा है। उन्होंने एक-दो चरित्रों के नाम बताए जो उन्हें याद थे।

तब मैंने उनसे कहा कि जब मैं अपनी उंगली को किताब के शब्दों के नीचे चलाऊँ तब वे उसका अनुसरण करें, मुझे सुनें तथा मेरे साथ ऊँचे स्वर में पढ़ें। मैंने किताब के शीर्षक के साथ अभ्यास करके जाँच की कि उन्होंने मेरे अनुदेश समझ लिए थे।

मैंने छात्र–छात्राओं से यह पूछते हुए शुरू किया, 'क्या आप तैयार हैं?' फिर मैं पहले पृष्ठ पर गई, और पाठ पर अपनी उंगली

चलाते हुए उसे ऊंचे स्वर में धीमी गति से और साफ-साफ पढ़ने लगी। छात्र पहले तो थोड़ा–सा झिझके, लेकिन जब एक-दो छात्र मेरी नकल करने लगे, तो अन्य भी शामिल हो गए, और हर नए पृष्ठ के साथ उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया। उच्चारण पर ज़ोर देने के लिए, मैंने आवाज़ की शैली को जरा सा बढ़ाया, और हर चरित्र के साथ मेल खाने के लिए आवाजें बदलने लगी। जहाँ मुझसे हो सका, मैंने ऐसे भाव और क्रियाएं कीं जिनकी छात्र पढ़ते समय नकल कर सकते थे, जैसे अपने सिर को झुकाना या हिलाना, या अपने हाथ से इशारे करना।

चूंकि छात्र–छात्राओं के लिए साझा पठन नई चीज थी, मैंने उन्हें आकर्षित करने और आवेग को बनाए रखने के लिए मुख्य तौर पर कहानी की प्रगति और उसके चरित्रों पर ध्यान दिया। कभी-कभी किसी पृष्ठ को शुरू करने के पहले हम रुकते थे और मैं किसी चरित्र या चित्र की ओर इशारा करके पूछ लेती, 'यह कौन है?', 'वह क्या है?' या 'वह क्या कर रहा है?', और तब छात्र–छात्रा उत्तर देते थे। वे पूरी तरह से सटीक थे या नहीं यह इतना महत्वपूर्ण नहीं था। मेरा लक्ष्य पठन में उनकी भागीदारिता को प्रोत्साहित करना और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना था। गति में परिवर्तन करने और भ्रांति का तत्व उत्पन्न करने के लिए, धीरे से अगला पन्ना पलटने से पहले मैं उनसे यह भी पूछती थी, 'आपके विचार में आगे क्या हुआ?'।

इस कहानी में दोहराए जाने वाले वाक्यांश हैं। दूसरे या तीसरे दोहराव पर, मैं शुरू में जरा सा ठहर जाती थी और छात्र–छात्रा स्वयं उस वाक्यांश को बोलकर जारी रखते थे। उन्हें ऐसा करके खुशी होती थी, और उन्हें यह एक तरह का खेल लगता था।

जब हमने किताब पूरी पढ़ ली, तब मैंने छात्र–छात्राओं से उसके बारे में कुछ सरल प्रश्न पूछे। मैंने किसी एक को चुनने और उसे उत्तर देने को कहने की बजाय छात्र–छात्राओं से कहा कि यदि वे उत्तर जानते हैं तो अपने हाथ उठाएं। इससे मुझे पता लगा कि उन्होंने कहानी को कितना समझा था। जहाँ आवश्यक हुआ, वहाँ मैंने उनके उत्तरों को अंग्रेजी में और उनकी घर की भाषा में बोलकर सुनाया।

ज़रा सोचिए

- अपने छात्र–छात्राओं को साझा पठन के लिए तैयार करने के लिए सुश्री सिमरन ने क्या किया?
- साझा पठन में उनके ध्यान को बनाए रखने के लिए उन्होंने किन तकनीकों का उपयोग किया?
- उन्होंने जो कुछ मिलकर पढ़ा उसके बारे में उनकी समझ का मूल्यांकन उन्होंने कैसे किया?
- क्या ऐसी कोई बात है जो आपको उनके पाठ के बारे में खास तौर पर पसंद आई? क्या ऐसी कोई चीज है जिसे आप अलग तरीके से करते?
- आपके विचार से साझा पठन हाशिए पर स्थित समूहों के बच्चों को सम्मिलित करने में कैसे सहायता कर सकता है?

सुश्री सिमरन ने अपने पाठ में कई तकनीकों का उपयोग किया ताकि छात्र–छात्राओं में कहानी की रुचि को जगाने में मदद हो सके और उनकी शिक्षा में सहायता कर सके। हो सकता है आप अपने छात्र–छात्राओं के साथ इनमें से कुछ तकनीकों का पहले से उपयोग करते हों, या ये सभी तकनीकें आपके लिए नई भी हो सकती हैं। इन सभी तकनीकों का कक्षा में उपयोग सरल है और अगली गतिविधियों में आप इनमें से कुछ ताकनीकों का उपयोग अपने छात्रों के साथ करें। यदि पहली बार उनके उपयोग के समय सबकुछ ठीक ढंग से न चले तो कृपया हिम्मत न हारें। हम सबको चीजों को नए ढंग से करने के लिए अभ्यास की जरूरत होती है - यह आप और आपके छात्र–छात्राओं दोनों पर लागू होता है। बार-बार अभ्यास से, आप और आपके छात्र–छात्रा दोनों इन नई तकनीकों का उपयोग करने में अधिक आत्मविश्वासी हो जाएंगे तथा आपके छात्र–छात्राओं की शिक्षा में सुधार होगा।

गतिविधि 2: साझा पठन के लिए कोई पाठ चुनें - एक नियोजन गतिविधि

यदि संभव हो तो इसे किसी साथी शिक्षक/शिक्षिका के साथ करें। यह आपके द्वारा अपने पाठ के लिए तैयारी के लिए करने

की नियोजन गतिविधि है।

कोई पाठ चुनें जिसका उपयोग आप साझा पठन के लिए कर सकते हैं। यह कोई ऐसी कहानी हो सकती है जो आप पहले से ही ऊँचे स्वर में पढ़कर सुना चुके हैं, या किसी अन्य कक्षा की पाठ्यपुस्तक या किसी भी अन्य पुस्तक की कोई कहानी हो सकती है। यह कोई लघु कविता हो सकती है, या किसी विषय क्षेत्र, उदाहरण के लिए, जल चक्र पर कोई आसान पाठ हो सकता है। यदि आप कहानी या कविता का चुनाव करते हैं, तो उनमें ऐसी जगहों का पता लगाने का प्रयास करें जहाँ छात्र–छात्रा शब्दों या वाक्यांशों को दोहरा सकें और आपके साथ शामिल हो सकें।

आप अपनी कल्पना से खुद अपनी कहानी या कविता रच सकते हैं। ऐसा करते समय आप छात्र–छात्राओं और स्थानीय मशहूर स्थानों के नाम उसमें शामिल कर सकते हैं।

पाठ की लंबाई छोटी होनी चाहिए, और वास्तविक पठन में दस मिनट से अधिक नहीं लगने चाहिए। पाठ के लिए मापदंडों पर विचार करें, उदाहरण के लिए:

- छात्र–छात्राओं की रुचियाँ और पृष्ठभूमियाँ
- छात्र–छात्राओं का या आपका विषय के साथ परिचय
- छात्र–छात्राओं का या आपका अंग्रेज़ी के प्रति आत्मविश्वास
- स्थानीय लोग, मशहूर स्थान या घटनाएं
- स्थानीय भाषाएं - आप अंग्रेजी और अन्य भाषाओं का संयोजन करने वाला साझा पठन पाठ बना सकते हैं
- ऐसी संभव घिसी-पिटी बातें जिनसे बचना है या जिन पर चर्चा करनी है।

उपयुक्त कहानियों के उदाहरणों के लिए संसाधन 1 देखें।

	कहानियों या कविताओं का चयन SCERT, बिहार द्वारा विकसित Blossom part 1 से 5 तथा Radiance part 1 से 3 तक की पाठ्यपुस्तकों से किया जा सकता है।

अपने पाठ का चुनाव कर लेने के बाद, उसे किसी साथी शिक्षक/शिक्षिका या अपने परिवार के किसी सदस्य को ऊँचे स्वर में सुनाकर अभ्यास करें। याद रखें इसे स्थिर गति पर ऊँचे स्वर में पढ़ने में आपको दस मिनट से अधिक नहीं लगने चाहिए।

कक्षा के आयोजन और अपने शिक्षार्थियों से पहले नियोजन करने के बारे में अधिक जानने के लिए संसाधन 2, 'सीखने की योजना' देखें।

3 बड़ी पुस्तक बनाना और उपयोग करना

अगली गतिविधि में आप अपने द्वारा चुने गए पाठ की एक बड़ी पुस्तक बनाएंगे।

गतिविधि 3: बड़ी पुस्तक बनाना – नियोजन गतिविधि

यह आपके पाठ की तैयारी में आपके द्वारा करने की गतिविधि है।

अधिक पाठ और चित्रों से युक्त बड़ी पुस्तक एक अच्छा संसाधन होती है जिसे समझना छात्र–छात्राओं के लिए आसान होता है। छात्र–छात्राओं को भी अपनी बड़ी पुस्तकें बनाने, अपनी पसंद की किसी कहानी की नकल करने और उसे चित्रित करने या खुद अपनी कहानी या कविता का सृजन करने में आनंद मिलता है।

आप सारी कक्षा के लिए एक बड़ी पुस्तक का उपयोग कर सकते हैं, या आप एक समूह को एक बड़ी पुस्तक दे सकते हैं और एक या दो सक्षम या बड़े बच्चों को पठन का नेतृत्व करने को कह सकते हैं।

1. गतिविधि 2 में साझा पठन के लिए आपके द्वारा चुना गया पाठ लें।
2. पाठ को दो या तीन वाक्यों के भागों में बाँट लें।
3. इन भागों में से प्रत्येक को कागज के टुकड़ों पर बड़े अक्षरों में लिखें। कागज की एक शीट पर दो या तीन से अधिक वाक्य न लिखें।
4. प्रत्येक शीट को उपयुक्त ढंग से चित्रित करें। आप उस पर चित्र भी चिपका सकते हैं या छात्र–छात्राओं से चित्र बनाने को कह सकते हैं।
5. कहानी के लिए एक आकर्षक आवरण पृष्ठ की परिकल्पना करें, या छात्र–छात्राओं द्वारा कहानी को पढ़ लेने के बाद उनसे आवरण पृष्ठ की परिकल्पना करने को कहें।
6. सभी शीटों को आवरण पृष्ठ के साथ मिलाकर पिन लगाएं/बाधें।

आप पुनर्चक्रित सामग्रियों से अपनी बड़ी पुस्तक के लिए एक सरल स्टैंड बना सकते हैं।

चित्र 3 में शिक्षिका को उनके छात्र–छात्राओं के साथ देखें। उन्होंने बड़ी पुस्तक के लिए कार्ड बोर्ड का सरल स्टैंड बनाया है।

चित्र 3 एक शिक्षिका ने बड़ी पुस्तक के लिए स्टैंड बनाने के लिए कार्डबोर्ड का उपयोग किया है।

गतिविधि 4: अपने छात्र–छात्राओं के साथ अपनी बड़ी पुस्तक का उपयोग करना

अब बड़ी पुस्तक को ऊँचे स्वर में, धीरे-धीरे और साफ-साफ पढ़ने का अभ्यास करें। उत्साह और अभिव्यक्ति के साथ पढ़ें। यदि संभव है तो स्वयं को रिकार्ड करें (आप इस प्रयोजन के लिए अपने मोबाइल फोन का उपयोग कर सकते हैं), या किसी साथी या अपने परिवार के किसी सदस्य के सम्मुख ऊँचे स्वर में पढ़ सकते हैं।

हर शब्द को पढ़ते समय अपने हाथ या छड़ी से उसकी तरफ इशारा करें। अपने हाथ या छड़ी को शब्दों के ठीक नीचे रखकर चलाएं, ताकि छात्र आपके पढ़ते समय हर शब्द को देख सकें।

कहानी या कविता को पढ़ने से पहले उन शब्दों की सूची बना लें जिनसे आप छात्र–छात्राओं का परिचय करवाना चाहते हैं। इन शब्दों से परिचय आप कैसे करवाएंगे? क्या आप उनका अर्थ समझाने के लिए हिंदी या स्थानीय भाषा के चित्र कार्ड का उपयोग करेंगे? भाषा से संबंधित ऐसी विशिष्ट बातों को नोट करें जिन पर आप ध्यान देना चाहते हैं, जैसे:

- चरित्रों का वर्णन
- वर्ण और ध्वनियाँ
- तुकांत शब्द
- नई शब्दावली
- शब्द ज्ञान को सुदृढ़ करना
- वाक्यों की रचनाएं और व्याकरण
- नई अवधारणाएं।

सोचें कि आप छात्र–छात्राओं का पाठ से परिचय कैसे कराएंगे और उन्हें पठन के लिए कैसे नियोजित करेंगे।

पाठ में उन बिंदुओं की पहचान करें जहाँ आप रुक कर छात्र–छात्राओं से किसी शब्द या तुक का पूर्वानुमान करने को कह सकते हैं, या पूछ सकते हैं कि आगे क्या होगा।

सोचें कि आप पठन के बाद छात्र–छात्राओं की समझ का मूल्यांकन कैसे करेंगे।

पूरी कक्षा या छोटे समूहों में सप्ताह भर चलने वाले साझा पठन सत्र में अपनी बड़ी पुस्तक आजमाएं। क्या आपके छात्र–छात्राओं को गतिविधि में मज़ा आया? क्या आपको बड़ी पुस्तक का उपयोग करने में मज़ा आया? क्या सभी छात्र आपको सुन और बड़ी पुस्तक को देख सके?

छात्र–छात्राओं की समझ का मूल्यांकन करने का एक प्रभावी तरीका है उनसे पाठ को दोबारा सुनाने को कहना। छात्र–छात्रा यह काम जोड़ियों या छोटे समूहों में, या व्यक्तिगत रूप से भी कर सकते हैं। इससे छात्र–छात्राओं को अंग्रेजी बोलने का अभ्यास करने के अवसर मिलते हैं। बड़े और अधिक सक्षम छात्र अपनी समझ के विषय में लिख सकते हैं।

4 पठन के बाद गतिविधियों का उपयोग करना

साझा पठन का सर्वाधिक लाभ उठाने के लिए, एक अच्छा अभ्यास है छात्र–छात्राओं को पठन के बाद की ऐसी गतिविधियाँ देना जो कहानी या कविता से संबंधित हों। ये गतिविधियाँ भाषा सीखने की प्रक्रिया को मज़ेदार ढंग से सुदृढ़ करेंगी। छात्र–छात्रा इन गतिविधियों को सप्ताह भर की अवधि में कर सकते हैं।

गतिविधि 5: पठन के बाद की गतिविधियाँ

संसाधन 3 की सामग्रियों को पढ़ें। ये उन गतिविधियों के उदाहरण हैं जिन्हें छात्र साझा पठन के बाद कर सकते हैं। उस पाठ, जिसे आपने साझा पठन के लिए चुना था या अन्य किसी पाठ के आधार पर, इनमें से किसी संसाधन को चुनें, अनुकूलित करें और तैयार करें।

छात्र–छात्राओं को करके दिखाना कि आप उनसे दिए गए कार्य को किस तरह से पूरा करवाना चाहते हैं एक अच्छा अभ्यास है। आप अपने द्वारा चुनी गई गतिविधि का परिचय कैसे देंगे?

जब आप कक्षा के साथ गतिविधि का उपयोग साझा पठन गतिविधि के बाद करते हैं, तो इन प्रश्नों पर विचार करें:

- क्या आपके सभी छात्र–छात्राओं ने भाग लिया?
- क्या इस गतिविधि ने उनके सीखने का मूल्यांकन करने में आपकी मदद की?
- क्या कोई ऐसे छात्र–छात्रा थे जिन्होंने अपने सीखने में प्रगति नहीं की?
- यह तय करने का प्रयास करें कि आप इन छात्र–छात्राओं की अगले पठन सत्र में कैसे मदद कर सकते हैं - क्या आपको अलग तरह का पाठ, या अधिक आसान या अधिक कठिन पाठ चुनना चाहिए?

वीडियो: सीखने की योजना बनाना

5 सारांश

इस इकाई में आपका परिचय साझा पठन से करवाया गया है। साझा पठन में, समझ, कुल अर्थ और आनंद, और साथ ही नए शब्दों को पढ़ने के लिए विशिष्ट पठन कार्यनीतियों पर ध्यान दिया जाता है। साझा पठन में मौखिक भाषा और लेखन पर ध्यान-केंद्रन समाहित होते हैं। इस इकाई ने आपका परिचय पठन के बाद की साक्षरता गतिविधियों से भी करवाया है।

हमें आशा है कि आपको बड़ी पुस्तक बनाने और उसे अपने छात्र–छात्राओं के साथ आजमाने का अवसर मिला है। जब आप आपकी अपनी पठन सामग्रियाँ बनाते हैं आप अपनी कक्षा के लिए एक सस्ती लाइब्रेरी/पुस्तकालय बनाना शुरू कर सकते हैं।

प्रारंभिक अंग्रेज़ी हेतु इस विषय पर अन्य शिक्षक विकास इकाईयाँ हैं:

- *अंग्रेज़ी के वर्ण और ध्वनियाँ*
- *कहानी सुनाना*
- *सीखने की योजना बनाना*
- *पठन कौशल का विकास और अनुश्रवण*
- *पढ़ने के माहौल को बढ़ावा देना।*

संसाधन

संसाधन 1: साझा पठन के लिए कहानियों के उदाहरण

दोहराए जाने वाले पाठ से युक्त कहानी साझा पठन के लिए अच्छी होती है। छात्र–छात्राओं को दोहरावों में मज़ा आता है और सामूहिक पठन के दौरान संकेतों को वे शीघ्रता से समझते हैं।

Example 1: ‘A Little Red Hen’

A red hen and her three chicks lived on a farm.
A cat, a dog and a pig lived on that farm too.
One day a chick saw something on the ground.
‘What is this?’ the chick asked the hen.
‘This is ragi. We will plant them,’ said the red hen.
‘Please help me, cat,’ the hen said to the cat.
‘No,’ said the cat. ‘I am playing.’
‘Please help me, pig,’ the hen said to the pig.
‘No,’ said the pig. ‘I am tired.’
‘Please help me, dog,’ the hen said to the dog.
‘No,’ said the dog. ‘I am sleepy.’
‘Then I will plant it,’ said the hen.
The ragi plant grew big. It was time to cut the ragi.
‘Please help me, cat,’ said the hen.
‘No,’ said the cat. ‘I am playing.’
‘Please help me, dog,’ said the hen.
‘No,’ said the dog. ‘I am sleepy.’
‘Please help me, pig,’ said the hen.
‘No,’ said the pig. ‘I am tired.’
‘Then I will cut the ragi,’ said the hen.
The hen and the chicks sat down to eat ragi.
Now the cat, the pig and the dog were hungry.
‘Please give me some ragi, hen,’ said the cat.
‘Please give me some ragi, hen,’ said the pig.
‘Please give me some ragi, hen,’ said the dog.
‘No,’ said the hen. ‘No work, no ragi.’
The hen and the chicks ate the ragi. They were very happy.

Example 2: 'Sharma's Present'

Sharma's present

There was a teacher named Sharma. He lived in a village named Sripur.

All the children came to school every day at 9 o'clock. But Sharma was always late.

Sharma never woke up on time. He ran to school every morning. The children near his house came out and laughed.

But Sharma's students had to wait for their teacher every day, so they felt sad.

They thought of a plan to help their teacher to wake up early. The

children decided to give their teacher a present.

Sharma was very happy to get a present from his students. But what was the present? It was a cock.

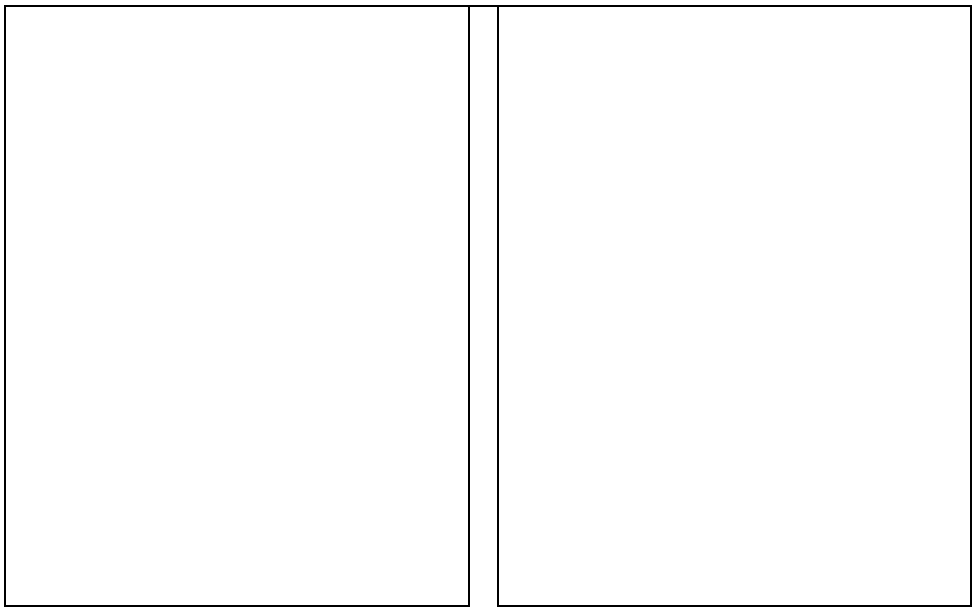

संसाधन 2: सीखने की योजना बनाना

अपने पाठों संबंधी अवधारणाओं की योजना और उनकी तैयारी क्यों महत्वपूर्ण है

अच्छे पाठों संबंधी अवधारणाओं की योजना (सीखने की योजना) बनाना ज़रूरी होता है। योजना बनाने से आपके पाठों संबंधी अवधारणाओं को अधिक स्पष्ट और सुनियोजित करने में मदद मिलती है, जिसका अर्थ यह है कि छात्र–छात्रा सक्रिय होते हैं और इसमें रुचि लेते हैं। प्रभावी नियोजन में कुछ अंतर्निहित लचीलापन भी शामिल होता है ताकि शिक्षक/शिक्षिका पढ़ाते समय अपने छात्र–छात्राओं की अधिगम-प्रक्रिया के बारे में कुछ पता चलने पर उसके प्रति अनुक्रिया कर सकें। पाठों संबंधी अवधारणाओं की शृंखला के लिए सीखने की योजना पर काम करने में छात्र–छात्राओं और उनके पूर्व-ज्ञान को जानना, पाठ्यचर्या के माध्यम से प्रगति के क्या अर्थ है, और छात्र–छात्राओं के पढ़ने में मदद करने के लिए सर्वोत्तम संसाधनों और गतिविधियों की खोज करना शामिल होता है।

नियोजन एक सतत् प्रक्रिया है जो आपको अलग-अलग पाठों में शामिल अवधारणा, उपअवधारणा और साथ ही, एक के ऊपर एक विकसित होते पाठों में शामिल अवधारणा,उपअवधारणा की शृंखला, दोनों की तैयारी करने में मदद करती है। पाठ संबंधी सीखने की योजना के चरण ये हैं:

- इस बारे में स्पष्ट रहना कि प्रगति करने के लिए आपके छात्र–छात्राओं के लिए क्या आवश्यक है
- तय करना कि आप कौन से ऐसे तरीके से सिखाने जा रहे हैं जिसे छात्र–छात्रा समझेंगे और आपको जो पता लगेगा उसके प्रति अनुक्रिया करने के लचीलेपन को कैसे बनाए रखेंगे
- पीछे मुड़कर देखना कि अध्याय में दी गई अवधारणा संबंधी योजना कितनी अच्छी तरह से चली और आपके छात्र–छात्राओं ने क्या सीखा ताकि भविष्य के लिए योजना बना सकें।

पाठ संबंधी अवधारणाओं के शृंखला की योजना बनाना

जब आप किसी पाठ्यचर्या का पालन करते हैं, तो नियोजन का पहला भाग यह निश्चित करना होता है कि पाठ्यक्रम के विषयों और प्रसंगों से संबंधित अवधारणाओं को खंडों या टुकड़ों में किस सर्वोत्तम ढंग से विभाजित किया जाय। आपको छात्र–छात्राओं के प्रगति करने तथा कौशलों और ज्ञान का क्रमिक रूप से विकास करने के लिए उपलब्ध समय और तरीकों पर विचार करना होगा। आपके अनुभव या सहकर्मियों के साथ चर्चा से आपको पता चल सकता है कि किसी अवधारणा के लिए चार कालांश लगेंगे, लेकिन किसी अन्य अवधारणा के लिए केवल दो। आपको इस बात से अवगत रहना चाहिए कि आप भविष्य में उसे सिखाने पर अलग तरीकों से और अलग अलग समयों पर तब लौट सकते हैं, जब अन्य अवधारणाएँ सिखाई जाएंगीं या अवधारणा को विस्तारित किया जाएगा।

सभी सीखने की योजनाओं में आपको निम्न बातों के बारे में स्पष्ट रहना होगा:

- छात्र–छात्राओं को आप क्या सिखाना चाहते हैं
- आप उस अधिगम बिन्दु/अवधारणा का परिचय कैसे देंगे
- छात्र–छात्राओं को क्या और क्यों करना होगा।

आप सिखाने को सक्रिय और रोचक बनाना चाहेंगे ताकि छात्र–छात्रा सहज और उत्सुक महसूस करें। इस बात पर विचार करें कि पाठों की शृंखला में छात्र–छात्राओं से क्या करने को कहा जाएगा ताकि आप न केवल विविधता और रुचि बल्कि लचीलापन भी बनाए रखें। योजना बनाएं कि जब आपके छात्र–छात्रा पाठों की शृंखला में से प्रगति करेंगे तब आप उनकी समझ की जाँच कैसे करेंगे। यदि कुछ भागों को अधिक समय लगता है या वे जल्दी समझ में आ जाते हैं तो समायोजन करने के लिए तैयार रहें।

अलग-अलग पाठों से संबंधित अवधारणाओं की तैयारी करना

पाठों से संबंधित अवधारणाओं की शृंखला को नियोजित कर लेने के बाद, प्रत्येक अवधारणा को उसकी प्रगति के आधार पर अलग से नियोजित करना होगा जो छात्र–छात्राओं ने उस बिंदु तक की है। आप जानते हैं या पाठों से संबंधित अवधारणाओं की शृंखला के अंत में यह आप जान सकेंगे कि छात्र–छात्राओं ने क्या सीख लिया होगा, लेकिन आपको किसी अप्रत्याशित चीज को फिर से दोहराने या अधिक शीघ्रता से आगे बढ़ने की जरूरत हो सकती है। इसलिए हर पाठ से संबंधित अवधारणा को अलग से नियोजित करना चाहिए ताकि आपके सभी छात्र–छात्रा प्रगति करें और सफल तथा सम्मिलित महसूस करें।

पाठ से संबंधित अवधारणा की योजना के भीतर आपको सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक गतिविधि के लिए पर्याप्त समय है और सभी संसाधन तैयार हैं, जैसे क्रियात्मक कार्य या सक्रिय समूहकार्य के लिए। बड़ी कक्षाओं के लिए सामग्रियों के नियोजन के हिस्से के रूप में आपको अलग अलग समूहों के लिए अलग अलग प्रश्नों और गतिविधियों की योजना बनानी पड़ सकती है।

जब आप नई अवधारणा सिखाते हैं, आपको आत्मविश्वासी होने के लिए अभ्यास करने और अन्य शिक्षक/शिक्षिकाओं के साथ विचारों पर बातचीत करने के लिए समय की जरूरत पड़ सकती है।

तीन भागों में अपने पाठों से संबंधित अवधारणाओं की योजना को तैयार करने के बारे में सोचें। इन भागों पर नीचे चर्चा की गई है।

1 परिचय

सिखाने की प्रक्रिया के शुरू में, छात्र–छात्राओं को समझाएं कि वे क्या सीखेंगे और करेंगे, ताकि सभी को पता रहे कि उनसे क्या अपेक्षित है। छात्र–छात्रा पहले से ही जो जानते हैं उन्हें उसे साझा करने की अनुमति देकर वे जो करने वाले हों उसमें उनकी दिलचस्पी पैदा करें।

2 योजना का मुख्य भाग

छात्र–छात्रा जो कुछ पहले से जानते हैं उसके आधार पर सामग्री की रूपरेखा बनाएं। आप स्थानीय संसाधनों, नई जानकारी या सक्रिय पद्धतियों के उपयोग का निर्णय ले सकते हैं जिनमें समूहकार्य या समस्याओं का समाधान करना शामिल है। अपनी कक्षा में आप जिन संसाधनों और तरीकों का उपयोग करेंगे, उनकी पहचान करें। विविध प्रकार की गतिविधियों, संसाधनों, और समयों का उपयोग सीखने की योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि आप विभिन्न पद्धतियों और गतिविधियों का उपयोग करते हैं, तो आप अधिक छात्र–छात्राओं तक पहुँचेंगे, क्योंकि वे भिन्न तरीकों से सीखेंगे।

3 अधिगम की जाँच कर के सीखने की योजना की समाप्ति

हमेशा यह पता लगाने के लिए समय (सीखने के दौरान या उसकी समाप्ति पर) रखें कि कितनी प्रगति की गई है। जाँच करने का अर्थ हमेशा परीक्षा ही नहीं होता है। आम तौर पर उसे शीघ्र और उसी जगह पर होना चाहिए – जैसे नियोजित प्रश्न या छात्र–छात्राओं को जो कुछ उन्होंने सीखा है उसे प्रस्तुत करते देखना – लेकिन आपको लचीला होने के लिए और छात्र–छात्राओं के उत्तरों से आपको जो पता चलता है उसके अनुसार परिवर्तन करने की योजना बनानी चाहिए।

सीखने की योजना को समाप्त करने का एक अच्छा तरीका हो सकता है शुरू के लक्ष्यों पर वापस लौटना और छात्र–छात्राओं को इस बात के लिए समय देना कि वे एक दूसरे को और आपको उस शिक्षण से हुई उनकी प्रगति के बारे में बता सकें। छात्र–छात्राओं की बात को सुनकर आप सुनिश्चित कर सकेंगे कि आपको पता रहे कि अगली अवधारणा/उपअवधारणा के लिए क्या योजना बनानी है।

सीखने की योजना की समीक्षा करना

हर सीखने की योजना का पुनरावलोकन करें और इस बात को दर्ज करें कि आपने क्या किया, आपके छात्र–छात्राओं ने क्या सीखा, किन संसाधनों का उपयोग किया गया और सब कुछ कितनी अच्छी तरह से संपन्न हुआ ताकि आप अगले अवधारणाओं/उपअवधारणाओं के लिए अपनी योजनाओं में सुधार या उनका समायोजन कर सकें। उदाहरण के लिए, आप निम्न का निर्णय कर सकते हैं:

- गतिविधियों में बदलाव करना
- खुले और बंद प्रश्नों की एक श्रृंखला तैयार करना
- जिन छात्र–छात्राओं को अतिरिक्त सहायता चाहिए उनके साथ अनुवर्ती सत्र आयोजित करना।

सोचें कि आप छात्र–छात्राओं के सीखने में मदद के लिए क्या योजना बना सकते थे या अधिक बेहतर कर सकते थे।

जब आप हर अवधारणा से गुजरेंगे, आपकी सीखने संबंधी योजनाएं अपरिहार्य रूप से बदल जाएंगी, क्योंकि आप हर होने वाली चीज का पूर्वानुमान नहीं कर सकते। अच्छे नियोजन का अर्थ है कि आप जानते हैं कि आप किस तरह से सिखाना चाहते हैं और इसलिए जब आपको अपने छात्र–छात्राओं के वास्तविक अधिगम के बारे में पता चलेगा तब आप लचीले ढंग से उसके प्रति अनुक्रिया करने को तैयार रहेंगे।

संसाधन 3: पठन के बाद की गतिविधियों के उदाहरण

पहले लघु कहानी, 'एक भिन्न प्रकार की बत्तख' पढ़ें। फिर नीचे पठन के बाद की गतिविधियों को देखें।

‘A Different Kind of Duck’

There was once a dog who wanted to be a duck. He lived on a farm with some ducks. Everywhere the ducks went, the dog went too.

The dog knew he did not look like a duck. Ducks have wings, and he didn’t. Ducks’ feet were big and flat, but his were small and round. Ducks had bills, but he had a little black nose. He was white like the ducks, but that was the only thing that was the same.

‘I’ll just be a different kind of duck,’ said the dog.

One morning the dog was with the ducks when they took off into the air. The dog ran after them, calling, ‘Come back, come back!’ He jumped into the air and flapped his legs to fly, but he just fell down instead.

‘This is no fun,’ thought the dog. ‘Maybe I should be happy just being a dog.’

Worksheet

1. How is the dog different from the ducks in this story?
   a. The dog lived on a farm.
   b. The dog has a bill
   c. The dog has small, round feet.
2. What happened in the story that cannot happen in real life?
   a. The ducks swam in the water.

b. The dog went everywhere with the ducks.
c. The dog spoke to the ducks.

3. Fill in the Venn diagram (Figure R3.1) to show how the dog and the duck look alike and different from each other.

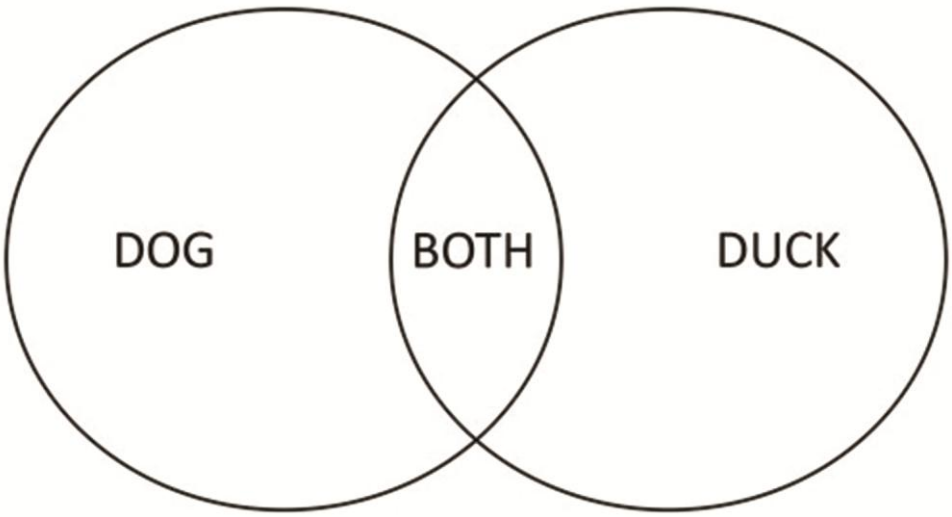

चित्र R3.1 वेन रेखाचित्र।

4. What would happen if the dog had wings? What would happen if you had wings?

Sentence completion

Complete the sentences below using the appropriate words: 'flew', 'fly', 'lived', 'tried', 'wanted', 'tried', 'knew', 'ran', 'run', 'barked' and 'bark'.

1. A dog and some ducks _____ on a farm.
2. Ducks can _____ while a dog can _____.
3. The dog _____ it cannot _____, but it _____ to.
4. When the ducks _____ the dog _____ behind them.
5. Though it _____ the dog could not _____. It thought, 'Ducks cannot _____ like me.'

In shared reading using a large text, you can 'hide' words and ask students to predict the word that is covered. You can also hide part of a word and ask students to predict the covered word based on the first letter they see. This is an effective way to help students focus on initial letter sounds of words. For example: 'Ducks can f___ while a dog can r___.'

Table completion

Make as many meaningful sentences as possible from Table R3.1.

Table R3.1 *Make as many meaningful sentences as possible from this table.*

Dogs	can	bark.
		swim.
Ducks	cannot	run.
		fly.
I		sing.

Story wheel

Use the template in Figure R3.2 to make your story wheel. Write the title of the story in the centre circle. Draw pictures or write what the dog did and what the ducks did in the four quadrants of the outer circle. Have students tell their stories, using their story wheels.

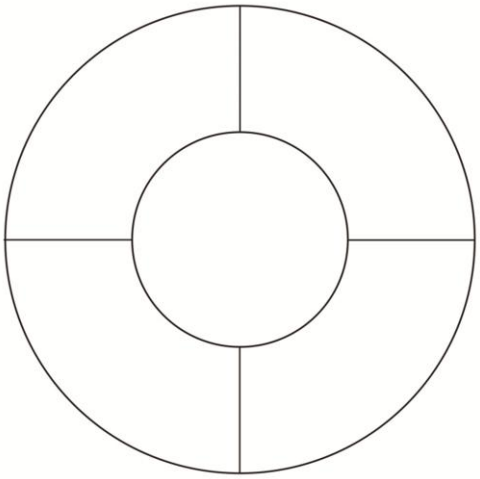

चित्र **R3.2** कहानी चक्र का टेम्प्लेट।

You can make a story wheel with more sections. If you put a pin in the centre of the wheel and attach the wheel to a larger piece of paper, you can turn the wheel to show each section of the story (Figure R3.3). Students can also make paper arrows that point to each section of the story.

चित्र R3.3 कहानी चक्रों के उदाहरण।

अतिरिक्त संसाधन

- Karadi Tales: http://www.karaditales.com/
- National Book Trust India: http://www.nbtindia.gov.in/
- NCERT textbooks: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm
- Teachers of India classroom resources: http://www.teachersofindia.org/en

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Bromley, H. (2000) *Book-based Reading Games*. London: Centre for Literacy in Primary Education.

Bryant, P. and Nunes, T (eds) (2004) *Handbook of Children's Literacy*. Dordrecht: Kluwer Academic Publishers.

Dombey, H. and Moustafa, M. (1998) *Whole to Part Phonics: How Children Learn to Read and Spell*. London: Centre for Literacy in Primary Education.

Goswami U. (2010a) 'Phonology, reading and reading difficulties' in Hall, K., Goswami, U., Harrison, C., Ellis, S. and Soler, J. (eds) *Interdisciplinary Perspectives on Learning to Read*. London: Routledge.

Goswami U. (2010b) 'A psycholinguistic grain size view of reading acquisition across languages', in Brunswick, N., McDougall, S. and Mornay-Davies, P. (eds) *The Role of Orthographies in Reading and Spelling*. Hove: Psychology Press.

Graham, J. and Kelly, A. (2012) *Reading under Control: Teaching Reading in the Primary School*, 3rd edn. London: Routledge.

Hall, K., Goswami, U., Harrison, C., Ellis, S. and Soler, J. (eds) (2010) *Interdisciplinary Perspectives on Learning to Read: Culture, Cognition and Pedagogy*. London: Routledge.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/)। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका मतलब है इस सामग्री का अननुकूलित रूप में उपयोग केवल TESS-

India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और बाद के किसी भी OER संस्करण में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस इकाई में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभार प्रकट किया जाता है:

चित्र 1: (Figure 1:) http://www.peaceloveandfirstgrade.com/2013/07/tape-in-classroom.html. से

चित्र 2: (Figure 2:) TESS-India के लिए लिया गया। (taken for TESS-India)

चित्र आर 2.3: (Figure R2.3: from) http://reading.ecb.org/ downloads/ sum_lp_StoryWheel.pdf से.

संसाधन 1: (Resource 1:) 'ए लिटिल रेड हेन' (एक लोकप्रिय बच्चों की कहानी) कर्नाटक में प्राथमिक सेवापूर्व शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों के शिक्षक-प्रशिक्षकों के लिए तैयार की गई एक पुस्तिका के भाग के रूप में RVEC द्वारा अनुकूलित और पुनःलिखित। ('A Little Red Hen' (a popular children's tale) adapted and rewritten by RVEC as part of a handbook we had prepared for teacher educators of elementary pre-service teacher education colleges in Karnataka.)

संसाधन 1: (Resource 1:) 'शर्मा का उपहार' RVEC द्वारा विकसित ('Sharma's Present' developed by RVEC) (http://www.rvec.in/)

संसाधन 3: 'एक अलग तरह की बतख' (एक लोकप्रिय बच्चों की कहानी) कर्नाटक में प्राथमिक सेवापूर्व शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों के शिक्षक-प्रशिक्षकों के लिए तैयार की गई एक पुस्तिका के भाग के रूप में RVEC द्वारा अनुकूलित और पुनःलिखित। ('A Different Kind of Duck' (a popular children's tale) adapted and rewritten by RVEC as part of a handbook prepared for teacher educators of elementary pre-service teacher education colleges in Karnataka.)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत-भर के उन शिक्षक प्रशिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और छात्र–छात्राओं के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन युनिवर्सिटी के साथ काम किया।